नीतीश मिश्रा
Nitish Mishra

मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार
MINISTER
Department of Rural Development
Bihar

पत्रांक :- 818/नि-

दिनांक :- 11/4/2011

**माननीया मंत्री,**
कला संस्कृति एवं युवा विभाग,
बिहार, पटना ।

श्री काशीनाथ झा, संयोजक, **भामती-वाचस्पति स्मारक निर्माण समिति,** के आवेदन एवं अनुलग्नक की प्रति संलग्न है । मधुबनी जिलान्तर्गत अंधराठाढ़ी प्रखंड के ठाढ़ी ग्राम में मिथिलांचल के प्रकांड विद्वान, बिहार के विलक्षण दार्शनिक, स्व0 वाचस्पति मिश्र एवं त्याग की प्रतिमूर्ति **स्व0 भामती** की स्मृति में **उद्यान** एवं **स्मारक** का निर्माण कर मिथिलांचल के सांस्कृतिक विकास में सहयोग की आवश्यकता है ।

अतः अनुरोध है कि संलग्न आवेदन में वर्णित तथ्यों के आलोक में वाचस्पति उद्यान एवं स्मारक निर्माण की दिशा में समुचित कार्रवाई करना चाहेंगी ।

सादर,

Nitish Mishra
(नीतीश मिश्रा) 11-4-11

App-103

कार्यालय पुराना सचिवालय, पटना-800 015 आवास : 12, बेली रोड, पटना - 800 001
दूरभाष : 0612-2205331 (कार्य0) 0612-2215977 (आ0)
E-mail : mishranitish@sify.com Website : www.rdd.bih.nic.in

सेवा में,

मानणीय ग्रामीण विकास मंत्री महोदय,

बिहार सरकार, पटना ।

विषय:- भामती-वाचस्पति उद्यान सह स्मारक निर्माण एवं वाचस्पति डीह को पर्यटन स्थल के रूपमे विकसित करने के सम्बन्धमें ।

महाशय,

निवेदन है कि ग्राम ठाढ़ी (मधुबनी) स्थित वाचस्पति चौक के सटे उत्तर पूरब में उकट्ठा ।। धुर सरकारी जमीन है जो कि करीब 8 फीट गहरे गड्ढा के रूपमे परिवर्तित है जिसका पुराना खाता-793 खेसरा 4216 नया खे 6227 है । ग्रामीणों ने 13.11.2010 को आम सभामें सर्वानुमति से महान दार्शनिक षड्दर्शन टीकाकार स्व0 वाचस्पति मिश्र, जिन्होंने सभी दर्शनों पर पुस्तक लिखकर संसार को ज्ञान की ज्योति प्रकाशित की, उस महामनीषी का जन्म इसी बिहार राज्य के ठाढ़ी (वाचस्पतिनगर) ग्राम में होने का गौरव हम बिहारवासियों एवं ग्रामीणों को प्राप्त है।

अतः उनके स्मृति में उक्त जमीन पर उनकी त्यागमयी पत्नी भामती एवं वाचस्पति के नाम से उद्यान एवं स्मारक बनाने का निर्णय लिया गयाहै। उक्त जमीन के बीचोबीच पानी बहाव के लिये पूर्वमें सड़क पर बना हुआ पुल की भाँति करीब 60फीट लम्बा एवं 10 फीट चौड़ा पुल बनाना आवश्यक है फि हाल ग्रामीणों के सहयोग से जमीन की भराई की जा रही हैकिन्तु इतनी बड़ी योजना के लिये सरकार से सहयोग की आवश्यकता है।

ज्ञातव्य होकि 13.3.1994 ई0 को जे0पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ने उनके डीह पर आकर क्षोभ व्यक्त किया कि महान दार्शनिक वाचस्पतिका डीह इस तरह उपेक्षितरहना हम लोगों के लिये अत्यन्त दु:ख की बात है इसे पर्यटन स्थलके रूपमें विकसित होनी चाहिए ।

अतः प्रार्थना हैकि हम ग्रामीणों की भावना को देखते हुए ग्रामीण विकास के लिये उक्त जमीन पर भामती वाचस्पति उद्यान सह स्मारक निर्माण हेतु एवं उनके डीह को पर्यटन स्थल बनाने हेतु ग्रामीण विकास वि एवं संबंधित विभाग से सहयोग करने कीकृपा की जाय ।

अनुलग्नक:-
ग्रामीणों द्वारा की गई आम सभा की छाया प्रति
तिथि - 28/3/2011ई0

निवेदक,
काशी नाथ झा [संयोजक]
भामती-वाचस्पति स्मारक निर्माण
ग्राम+पो0 - ठाढ़ी
प्रखंड - अंधराठाढ़ी
जिला - मधुबनी